

06/5/24

पतावली फेरा दुई। अधिः जायो मय जायो अनुपादित।

रुम-रुम कर तीन बार भावने दिवदि गर्क। समस  
सोम 5PM हो -युग हो। अता जायो मय अधिनमता जायो  
के अनुपादित वहे पर जायो का जायोना-पत्र रूपम हापदी।  
अपम पंरवी मे रवारिदि किता जाता हो। पतावली फेसत शुगर  
होकर मस्कर से मय हो।

निर्णय रतुले - भावतम सुवाभा मया ।

